http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 144

प्रयागराज रविवार 09 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

दिल्ली में विकास, सुशासन की जीत : मोदी

● भाजपा की जीत पर पीएम मोदी ने दिल्लीवासियों को दी बधाई

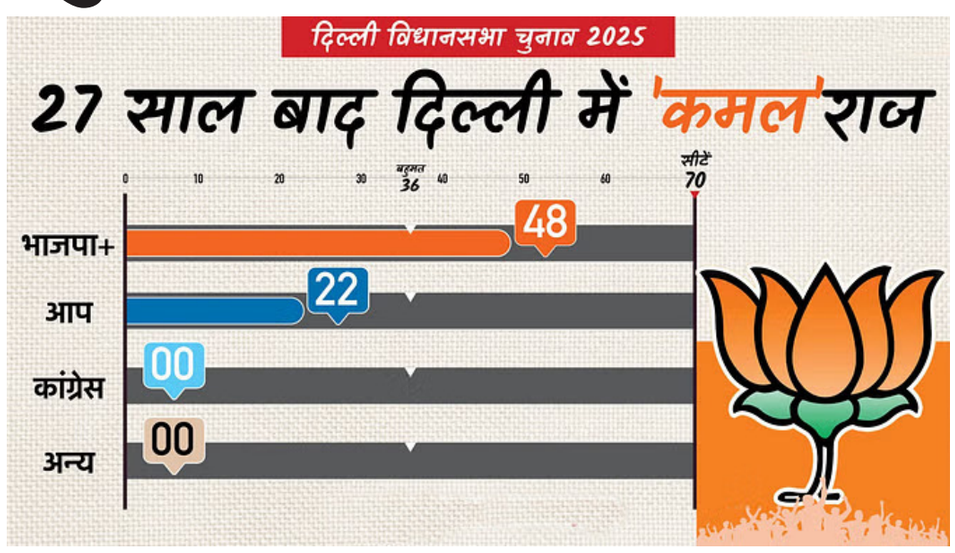

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में भाजपा के जबरदस्त जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि यह जीत विकास की है, सुशासन की है। उन्होंने इसको लेकर एक्स पोस्ट किया है। आपने एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जनशक्ति सर्वोपरि! विकास जीता, सुशासन जीता। उन्होंने लिखा कि दिल्ली के अपने सभी भाई–बहनों को भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए मेरा वंदन और अभिनंदन! आपने जो भरपूर आशीर्वाद और स्नेह दिया है, उसके लिए आप सभी का हृदय से बहुत–बहुत आभार। मोदी ने कहा कि दिल्ली के चौतरफा विकास और यहां के लोगों का जीवन उत्तम बनाने के लिए हम कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेंगे, यह हमारी गारंटी है। इसके साथ ही हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि विकसित भारत के निर्माण में दिल्ली की अहम भूमिका हो। उन्होंने कहा कि मुझे भाजपा के अपने सभी कार्यकर्ताओं पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस प्रचंड जनादेश के लिए दिन–रात एक कर दिया। अब हम और भी अधिक मजबूती से अपने दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित रहेंगे। दिल्ली चुनाव नतीजों पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली की जनता का बीजेपी पर विश्वास बहुत जरूरी है। हम दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करेंगे और हम इसे दुनिया का सबसे खूबसूरत शहर बनाना चाहते हैं। दिल्ली की सूरत बदल जाएगी। मैं लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारी जीत उम्मीद से कहीं ज्यादा बड़ी है। गृह मंत्री अमित शाह का ट्वीट सामने आया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के दिल में मोदी३। दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप–दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है। अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में झूठ के शासन का अंत हुआ है... यह अहंकार और अराजकता की हार है। यह 'मोदी की गारंटी' और मोदी जी के विकास के विजन पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि इस प्रचंड जनादेश के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा अपने सभी वादे पूरे कर दिल्ली को विश्व की नंबर 1 राजधानी बनाने के लिए संकल्पित है।दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार–बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता।

केजरीवाल ने स्वीकार की आप की हार

● बोले– जनता के बीच रहकर उनकी सेवा भी करते रहेंगे

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भाजपा को बधाई देते हुए कहा कि जनता का फैसला हमें मंजूर है। उन्होंने कहा कि हमें जनता ने पिछले 10 सालों में मौका दिया। हमने कई बड़े काम किया। हमने शिक्षी स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई काम किया। उन्होंने कहा कि हम एक जिम्मेदार विपक्ष के नाते काम करते रहेंगे। हम समाज सेवा करते रहेंगे। लोगों के सुख–दुख में शामिल होंगे। केजरीवाल ने कहा कि हम न केवल रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी सेवा भी करते रहेंगे। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत हासिल करती हुई दिखाई दे रही है। भाजपा में इसको लेकर जमकर उत्साह है। आतिशी ने कहा कि मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए मैं कालकाजी के लोगों को धन्यवाद देता हूं। मैं अपनी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने बाहुबल के खिलाफ काम किया। हम जनता का जनादेश स्वीकार करते हैं. मैं जीत गया हूं लेकिन यह जश्न मनाने का नहीं बल्कि भाजपा के खिलाफ 'युद्ध' जारी रखने का समय है। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पांच और 'आप' ने छह सीट पर जीत हासिल कर ली है। भगवा पार्टी 27 साल बाद दिल्ली में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। आयोग की ओर से जारी ताजा रुझानों में भाजपा को दिल्ली की 70 सीटों में से 43 और 'आप' को 16 सीटों पर बढ़त दिखाई गई है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जंगपुरा में भाजपा के तरविंदर सिंह मारवाह से हार स्वीकार कर ली है, जबकि भगवा पार्टी के प्रवेश वर्मा ने चर्चित नयी दिल्ली सीट पर 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हराने का दावा किया है।

केजरीवाल का तिहाड़ जाना तय, अब वह विधायक भी नहीं बनेंगे, भाजपा सांसद ने आप प्रमुख पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव नतीजों में बीजेपी को बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। इन सबके बीच भाजपा सांसद योगेन्द्र चंदोलिया ने अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। योगेन्द्र चंदोलिया ने कहा कि पीएम मोदी की अपील सुनने के लिए मैं दिल्ली की जनता को धन्यवाद देता हूं. केजरीवाल सभी मॉडलों में ध्वस्त हो गए हैं।' उन्होंने कहा कि केजरीवाल का तिहाड़ जाना तय हो गया है। वह सीएम बनना चाहते थे लेकिन अब वह विधायक भी नहीं बनेंगे। पार्टी आलाकमान द्वारा चुना गया

कोई भी पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली का अगला सीएम होगा। भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने खुद की बढ़ पर कहा कि यह रमेश बिधूड़ी नहीं, कालकाजी की जनता की बढ़त है। आतिशी ने च्ँक मंत्री और मुख्यमंत्री रहते हुए कुछ नहीं किया। उनकी (आम आदमी पार्टी) सोच भारत विरोधी है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मुझे तीन बार विधायक बनाया, दो बार सांसद बनाया, पार्टी मुझे इससे बड़ी जिम्मेदारी क्या दे सकती है। देश में 145 करोड़ लोग हैं, जिनमें से 10 हजार लोग राजनीति में हैं, पार्टी ने मुझे उनमें से एक बनाया, इससे बड़ी जिम्मेदारी क्या हो सकती है। भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी है, कोई मुख्यमंत्री का चेहरा फेस नहीं था, ये है लोगों का भाजपा पर भरोसा। पूर्वांचल और पूरी दिल्ली की जनता का धन्यवाद। अरविंद केजरीवाल और आप ने जो गंदी राजनीति शुरू की थी, उसका अंत हो गया है। अब दिल्ली का तेजी से विकास होगा। भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट दिया है... दिल्ली ने सुशासन चुनने का फैसला किया है, मुझे लगता है कि परिणाम भी इसी दिशा में जाएंगे।

जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के शीशमहल को नेस्तनाबूत किया : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत हासिल करती हुई दिखाई दे रही है। भाजपा में इसको लेकर जमकर उत्साह है। इस बीत गृह मंत्री अमित शाह का ट्वीट सामने आया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के दिल में मोदी३। दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप–दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है। अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में झूठ के शासन का अंत हुआ है... यह अहंकार और अराजकता की हार है। यह 'मोदी की गारंटी' और मोदी जी के

विकास के विजन पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि इस प्रचंड जनादेश के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा अपने सभी वादे पूरे कर दिल्ली को विश्व की नंबर 1 राजधानी बनाने के लिए संकल्पित है। दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार–बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। भाजपा नेता ने कहा कि जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मिली इस भव्य जीत के लिए अपना दिन–रात एक करने वाले दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा जी को हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि चाहे महिलाओं का सम्मान हो, अनधिकृत कॉलोनीवासियों का स्वाभिमान हो या स्वरोजगार की अपार संभावनाएँ, मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली अब एक आदर्श राजधानी बनेगी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिखा कि 'आप–दा' मुक्त दिल्ली ! आज दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, अंत्योदय व विकासपरक नीतियों पर जनता – जनार्दन के अटूट समर्थन की जीत है। प्रत्येक बूथ पर अथक परिश्रम करने वाले भाजपा के हमारे कार्यकर्ताओं और प्रदेश नेतृत्व को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। उन्होंने कहा कि 'आप–दा' सरकार ने दिल्ली में भ्रष्टाचार, कुशासन, और तुष्टिकरण की सारी सीमाएं लांघ दी थी।

मोदी पर विश्वास से जीती भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव : राजनाथ

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए इस विजय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता के विश्वास का परिणाम बताया है। श्री सिंह ने ट्वीट किया "दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जबरदस्त विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व और भाजपा की नीतियों के प्रति विश्वास की जीत है। इस देश की जनता का भरोसा मोदीजी की विश्वसनीयता और भाजपा की सुशासन और विकास की राजनीति में है।" उन्होंने कहा "इस शानदार जीत के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। लगभग 27 साल बाद दिल्ली की जनता ने भाजपा को अपना विश्वास और आशीर्वाद दिया है। इसके लिए दिल्ली की जनता के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ।" श्री सिंह ने कहा "विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए विकसित दिल्ली अति आवश्यक है। इस जीत के बाद डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई गति को बुलंदी प्रदान करेगी।"

दिल्ली में झूठ और लूट की सियासत खत्म, बीजेपी की जीत पर आया सीएम योगी का रिएक्शन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को दिया और कहा कि यह जीत पीएम मोदी के सफल नेतृत्व पर दिल्ली के लोगों के विश्वास की मुहर है। एक पोस्ट में सीएम योगी ने कहा कि दिल्ली विधान सभा चुनाव–2025 में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर समर्पित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई! यह जीत आदरणीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के सफल नेतृत्व और सभी के लाभ, जन कल्याण और समग्र उत्थान के लिए समर्पित उनकी विकास नीतियों पर दिल्ली के लोगों के विश्वास की मोहर है। सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई एवं दिल्ली की सुशासन प्रिय, देवतुल्य जनता को शुभकामनाएँ। दोपहर करीब 1 बजे चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी ने 47 निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त बनाते हुए 70 निर्वाचन क्षेत्रों में मजबूत दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। जहां आप को 22 सीटों पर आगे दिखाया गया, वहीं कांग्रेस एक भी जीत हासिल करने में असफल रही। राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 36 है। स्वराज इंडिया पार्टी के सह–संस्थापक और चुनाव विशेषज्ञ योगेन्द्र यादव ने शनिवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार न केवल पार्टी के लिए बल्कि पूरे विपक्ष के लिए झटका है और यह इसके भविष्य पर सवाल उठाती है कि अब यह केवल पंजाब तक ही सीमित रहेगी। आम आदमी पार्टी (आप) के संस्थापक सदस्यों में से एक, जिन्हें 2015 में निष्कासित कर दिया गया था, यादव ने कहा कि यह उन सभी लोगों के लिए भी एक झटका है जिन्होंने देश में राजनीति के वैकल्पिक स्वरूप का सपना देखा था। नवीनतम रुझानों के अनुसार, भाजपा 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर फडणवीस ने राहुल पर निशाना साधा

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा चुनाव में अनियमितताओं के बारे में राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता अपने चेहरे की धूल पोंछने के बजाय आईना साफ कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने दावा किया

था कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच पांच महीनों में जितने मतदाता जुड़े हैं, उतने मतदाता पिछले पांच साल में नहीं जुड़े थे। गांधी ने दावा किया था कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पांच वर्षों में महज 32 लाख मतदाता जुड़े थे। 'जयपुर डायलॉग्स डेक्कन समिट पुणे 2025' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने राहुल गांधी के दावे पर सवाल उठाया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच सीएम ऑफिस को किया गया सील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कमल का कमाल दिख रहा है और आप का बुरा हाल हुआ है। वहीं कांग्रेस तो लगातार तीसरी बार शून्य पर आउट हो गई है। दिल्ली में बीजेपी की बंपर जीत और आप की हार के साथ ही अरविंद केजरीवाल खुद तक अपनी सीट गंवा चुके हैं। लेकिन इन सब के बीच प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। सुरक्षा स्थिति और सरकारी रिकॉर्ड के मद्देनजर दिल्ली सचिवालय को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक नोटिस जारी कर कहा कि सुरक्षा चिंताओं और रिकॉर्ड की सुरक्षा को संबोधित करने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि जीएडी की अनुमति के बिना कोई भी फाइल/दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के भारत चुनाव आयोग के रुझानों से राजधानी में भाजपा की वापसी का

संकेत मिल रहा है। नोटिस में कहा गया है कि यह आदेश सचिवालय कार्यालयों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों पर लागू है और दोनों कार्यालयों के प्रभारियों को भी इस आदेश के अनुपालन के लिए निर्देशित किया जाता है। आदेश पर संयुक्त सचिव (जीएडी) प्रदीप तायल के हस्ताक्षर हैं। चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 के विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया जैसे आप दिग्गज अपनी–अपनी सीटों से हार गए हैं, सीएम आतिशी कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से जीत गई हैं। भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान बुधवार, 5 फरवरी को हुआ, जिसमें लगभग 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने विधानसभा चुनाव के जनादेश को स्वीकार करते हुए चुनाव परिणामों को एक झटके की तरह बताया, लेकिन भाजपा के खिलाफ पार्टी का संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

वैश्विक तेल व्यापार, ओपेक रणनीतियों पर गहरा प्रभाव

ओपेक़ एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा संकट के केंद्र में है, क्योंकि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं पर टैरिफ लगाने से उत्पन्न नयी चुनौती से जूझ रहा है। टैरिफ, जिसमें केनेडा के तेल पर 10 प्रतिशत और प्रतिशोध में केनेडा में अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है, ने वैश्विक तेल मांग को बाधित करने, व्यापार प्रवाह को विकृत करने और ऊर्जा बाजारों में ओपेक़ द्वारा पहले से ही जटिल नाजुक संतुलन को बनाये रखने और अधिक खतरे में डाल दिया है। ट्रम्प ने उसके बाद केनेडा और मेक्सिको के खिलाफ प्रतिबंधों को 30 दिनों के लिए रोकने की घोषणा की है, लेकिन जोखिम बने हुए हैं, जो बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य को नकारात्मक करते हुए कीमतों को स्थिर करने की ओपेक़ की क्षमता की और परीक्षा करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के दो सबसे बड़े कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं, केनेडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने के फैसले ने रिफाइनिंग सेक्टर में हलचल मचा दी है। अगर केनडाई और मेक्सिकन तेल को दूसरे बाजारों में भेजा जाता है, तो अमेरिकी रिफाइनर आपूर्ति की कमी का सामना कर सकते हैं, जिससे घरेलू ईंधन की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। ओपेक़, जिसने पहले बाजार को स्थिर करने के लिए 2025 की दूसरी तिमाही में उत्पादन में कटौती को वापस लेने की घोषणा की थी, अब खुद को एक चौराहे पर पाता है। टैरिफ नयी जटिलताएं पेश करते हैं, क्योंकि केनेडा और मेक्सिकन कच्चे तेल के बढ़ते अधिशेष से वैश्विक बाजार भर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। साथ ही, अमेरिकी आपूर्ति बाधाओं और रिफाइनरी इनपुट में व्यवधान से क्षेत्रीय कीमतों में उछाल आ सकता है। ओपेक़ को अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए अपनी रणनीति को समायोजित करते हुए सावधानी से आगे बढ़ना होगा, साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके अपने सदस्य व्यापार प्रवाह में बदलावों से असंगत रूप से पीड़ित न हों। तेल बाजार मौलिक रूप से तेजी पर बना हुआ है। जनवरी के मध्य में कीमतें लगभग 82 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर पहुंच गयीं, जो रूस के कड़े प्रतिबंधों और आपूर्ति बाधाओं के कारण हुआ। हालांकि, अब टैरिफ लागू होने के साथ, अनुमानों से संकेत मिलता है कि कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल की सीमा के आसपास स्थिर हो सकती हैं। ओपेक़ के पास भू–राजनीतिक संकटों के प्रबंधन का व्यापक अनुभव है, जिसने दशकों से कई आपूर्ति प्रतिबंधों को संभाला है। सैन्य संघर्षों से लेकर राजनीतिक रूप से प्रेरित उत्पादन कैप और कोटा तक, समूह ने वैश्विक तेल बाजारों पर अपना प्रभाव बनाये रखते हुए बाहरी झटकों का जवाब देने की अपनी क्षमता का बार–बार प्रदर्शन किया है। हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाये गये टैरिफ एक अलग तरह की चुनौती पेश करते हैं – जो प्रत्यक्ष आपूर्ति हेरफेर के बजाय व्यापार नीति में निहित है। ऊर्जा नीति के प्रति ट्रंप का दृष्टिकोण विरोधाभासी प्रतीत होता है। भले ही उनका प्रशासन प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं पर टैरिफ लगाता है, राष्ट्रपति ने डावोस में विश्व आर्थिक मंच पर सऊदी अरब से उत्पादन बढ़ाने और तेल की कीमतें कम करने का आग्रह किया है। यह विरोधाभासी रुख अमेरिकी व्यापार और ऊर्जा नीति की सुसंगतता के बारे में गंभीर सवाल उठाता है। अगर सऊदी अरब ट्रंप के अनुरोध पर ध्यान देता है और उत्पादन बढ़ाता है, तो यह पुनर्निर्देशित केनेडाई और मेक्सिकन तेल द्वारा बनायी गयी आपूर्ति की अधिकता को बढ़ा सकता है, जिससे वैश्विक कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है। इसके विपरीत, अगर ओपेक़ अपने उत्पादन में कटौती को बनाये रखने या यहां तक कि बढ़ाने का विकल्प चुनता है, तो इससे कीमतों में और अधिक अस्थिरता हो सकती है, खासकर अगर अमेरिकी रिफाइनरियां प्रतिस्पर्धी दरों पर खोई हुई कच्चे तेल की आपूर्ति को बदलने के लिए संघर्ष करती हैं। यदि चीन अमेरिकी ऊर्जा निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर या अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं की कीमत पर ओपेक़ उत्पादकों से खरीद बढ़ाकर जवाबी कार्रवाई करता है, तो यह तेल व्यापार के भीतर मौजूदा शक्ति संतुलन को बदल सकता है। ओपेक़ को अपनी प्रतिक्रिया तैयार करते समय इन संभावित बदलावों को ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि चीनी खरीद पैटर्न में कोई भी बड़ा बदलाव वैश्विक बाजार में लहरें पैदा कर सकता है। तेल आयात करने वाले देश भी इन घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखेंगे, क्योंकि ट्रम्प के टैरिफ का प्रभाव उत्तरी अमेरिका से आगे तक फैला हुआ है। यूरोपीय और एशियाई बाजारों में केनेडाई और मेक्सिकन कच्चे तेल की आमद देखी जा सकती है, जिससे संभावित रूप से क्षेत्रीय मूल्य अंतर बदल सकते हैं। इस बीच, एशिया में अमेरिकी सहयोगियों, विशेष रूप से जापान और दक्षिण कोरिया को अपनी सोर्सिंग रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है यदि व्यापार व्यवधान उनकी ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। इन बदलावों के भू–राजनीतिक निहितार्थ अंतरराष्ट्रीय संबंधों को और अधिक तनावपूर्ण बना सकते हैं, खासकर अगर देश टैरिफ को वैध आर्थिक या सुरक्षा उद्देश्य की पूर्ति के बजाय वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अस्थिर करने वाला मानते हैं।

कोटा से मिटाने होंगे आत्महत्याओं के दाग

❍ कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं।

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर जितना शैक्षणिक संस्थाओं के लिए प्रसिद्ध है। अब उतना ही यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं के कारण देश भर में बदनाम हो रहा है। हालांकि कोटा में छात्र आत्महत्याओं के मामले यहां पर कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में बहुत कम है। मगर यहां पढ़ने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्याओं की दुखद घटनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। पिछले जनवरी माह में ही कोटा में 6 विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। इसी साल 8 जनवरी को हरियाणा के महेंद्रगढ़ निवासी छात्र नीरज, 9 जनवरी को गुना मध्य प्रदेश के अभिषेक लोधा, 15 जनवरी को उड़ीसा के अभिजीत गिरी, 18 जनवरी को बूंदी जिले के मनन जैन, 22 जनवरी को अहमदाबाद गुजरात की अफ्शा शेख और 22 जनवरी को ही नौगांव असम के छात्र पराग ने आत्महत्या कर ली थी। इनमें से पांच छात्र इंजीनियरिंग की व एक छात्रा नीट की तैयारी कर रही थी। कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। कोटा में 2015 से लेकर अब तक 138 छात्रों ने आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं। यहां 2015 में 18, 2016 में 17, 2017 में 7, 2018 में 20, 2019 में 18, 2020 में 4, 2021 में एक, 2022 में 15, 2023 में 26, 2024 में 16 व 2025 में अब तक छह छात्र आत्महत्या कर अपनी जान गंवा चुके हैं। 2020 व 2021 में कोविड के चलते यहां के कोचिंग संस्थाओं के बंद रहने के कारण आत्महत्याओं के आंकड़ों में गिरावट रही थी। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है। कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक–चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े–बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है। यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ से दस हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 800 करोड़ रूपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग–अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन–रात पढ़ाई करते रहतें हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। इससे कई छात्र पढ़ाई में पिछड़ने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे–मोटे 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी–बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर– तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिर्देशों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा। कोटा में छात्रों की बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं पर राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ द्वारा स्व प्रेरित संज्ञान आधारित याचिका की सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की तरफ से कहा गया है कि विधानसभा के मौजूदा सत्र में इसके लिए एक नया कानून लाया जाएगा। जिससे छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं की घटनाओ पर रोक लगाई जा सकेगी। सरकार चाहे जितनी कोशिश करे कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक बिना किसी दबाव के पढाई करेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोककर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान अपने काम को पैसे कमाने कि मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब तक कोटा के हालात नहीं सुधर पायेंगे। कोटा के मौजूदा हालातों के कारण ही यहां कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या में काफी कमी होने लगी हैं। जो कोटा शहर की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

तालमेल से बनेगी बात

पांच विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों, जैसे कर्नाटक और तमिलनाडु, ने UGC कानूनों के मसौदे का विरोध किया है। राज्यों और केंद्र के बीच इस मुद्दे पर मतभेदों और संवेदनशीलता का कारण विवादास्पद कुलपति चयन प्रक्रिया और राज्यपालों की सक्रियता है।

UGC कानूनों के मसौदे के विरोध में पांच राज्य सरकारों का एक साथ सामने आना कई सवाल खड़े करता है। हालांकि इन पांचों राज्यों – कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना दृ में विपक्षी दलों का शासन है। ऐसे संकेत भी हैं कि भले इनके साथ एक मंच पर न आए हों, लेकिन कई अन्य राज्य भी इस मसौदे से असहमति रखते हैं।

राजनीतिक विभाजन : अगर सिर्फ इन पांच राज्यों के विरोध की बात की जाए और यह मान लिया जाए कि इसके पीछे राजनीति की भी प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका होगी तो भी यूनिवर्सिटियों के संचालन, वाइस चांसलरों (VC) की चयन प्रक्रिया और असिस्टेंट प्रफेसरों की नियुक्ति के लिए पात्रता जैसे मसलों पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच राजनीतिक विभाजन गंभीर मसला है। केंद्र और राज्यों में अलग–अलग दलों की सरकारों के बावजूद अगर पहले इस तरह का विभाजन नहीं दिखता था और अब दिख रहा है तो साफ है कि किसी न किसी स्तर पर ऐसी गड़बड़ी आई है या आ रही है जो पहले नहीं थी।

राज्यों की भूमिका : इन राज्यों की शिकायतों और सुझावों का जहां तक सवाल है तो ऐसे मामलों पर चलताऊ ढंग से कोई निष्कर्ष निकाल लेना सही नहीं होगा। लेकिन अगर राज्य सरकारों को VC के चयन में अपनी भूमिका पूरी तरह खत्म किए जाने पर एतराज है तो उनकी आपत्ति को एकबारगी खारिज नहीं किया जा सकता। शिक्षा आज भी समवर्ती सूची में है। ऐसे में इस बात का ख्याल रखना जरूरी है कि राज्यों की भूमिका के लिए पर्याप्त गुंजाइश बनी रहे।

राज्यपालों की अति–सक्रियता : केंद्र और राज्य सरकारों के रिश्तों में अगर हाल के वर्षों में तनाव बढ़ा है तो उसकी एक वजह खासकर विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों की अति–सक्रियता भी है। इससे इन राज्य सरकारों के बीच ऐसा संदेह बना है कि केंद्र राज्यपालों के जरिए उनके अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी करना चाहता है। बहुत संभव है कि नए नियमों के मसौदे पर मतभेदों के ऐसा रूप लेने के पीछे भी इन संदेहों का हाथ हो।

बीमा निजीकरण के पीछे क्या है?

बीमा निजीकरण का सरकारी और उदारीकरण अभियान का मिशन पूरा होने को है। इस बार बजट में सौ फीसदी विदेशी पूंजी वाली बीमा कंपनियों के लिए दरवाजे खोले जा चुके है और उम्मीद की जा रही है कि संसद के इसी सत्र में सरकार नया बीमा संशोधन विधेयक पास कराने का प्रयास करेगी और जो स्थिति है उसमे इसे पास कराने में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इस बार मजदूर संगठनों से और किसी अन्य संगठित से विरोध के लक्षण अभी तक नहीं दिखे हैं। चार साल पहले जब सरकार ने विदेशी भागीदारी की सीमा 74 फीसदी की थी तब देश की चारों आम बीमा कंपनियों के साथ बैंक अधिकारियों के संगठन ने साझा विरोध अभियान चलाया और कई मामलों में सरकार को कदम वापस खींचने पड़े। और पांच साल का अनुभव यही बताता है कि उससे खास बात बनी नहीं। न ज्यादा नई पूंजी आई ना ही देश में चल रही कंपनियों में खरीद या घुसपैठ में ज्यादा दिलचस्पी ली गई। एक ही बड़ी निजी कंपनी कोटक महिंद्रा में अदल–बदल हुई। इससे न तो ज्यादा पूंजी आई न उत्साह दिखा। इस बार यह कदम उठाने के पीछे यह अनुभव तो था ही उदारीकरण के बचे–खुचे मिशन को पूरा करने का उद्देश्य भी होगा। और माना जा रहा है कि जो बिल सदन में लाया जाएगा उसमें रोक–टोक और निवेश की शर्तों में श्बाधाश बनने वाले प्रावधानों को निपटाने की तैयारी है। दो आर्थिक अखबारों को बजट के बाद दिए इंटरव्यू में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो कुछ कहा उसका शत–प्रतिशत विदेशी पूंजी वाली बीमा कंपनियों के निदेशक मण्डल में हिन्दुस्तानी सदस्यों और विशेषज्ञों को रखने की अनिवार्यता वाला अभी का प्रावधान उठा लिया जाएगा। प्रीमियम से वसूली रकम को देश में ही लगाने की शर्त रहेगी लेकिन ऐसी कंपनियों को मुनाफा बांटने और निवेश संबंधी फैसलों में पूरी आजादी दी जाएगी। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ का कहना है कि कई नियम और प्रावधान अप्रासंगिक बन गए हैं इसलिए उनको भी बदला जाएगा– हालांकि उन्होंने ऐसे प्रावधानों का जिक्र नहीं किया। इन कदमों से क्या नतीजा आएगा, इसके बारे में जानकार लोगों की राय अभी भी बंटी हुई है। कई लोगों को लगता है कि सौ फीसदी मिल्कियत होने से भारी मात्रा में पूंजी ही नहीं आएगी, बीमा का व्यवसाय भी बदलेगा और बहुत नए तथा आकर्षक प्रोडक्ट लांच होंगे। इससे भारतीय समाज लाभान्वित होगा। ऐसे लोग भी हैं जिनका मानना है कि उदारीकरण के पूरे दौर या उससे पहले से देशी बीमा कंपनियों का जैसा काम चलता रहा है उसमें विदेशी कंपनियों के लिए ज्यादा गुंजाइश नहीं है। यह बात अभी तक के अनुभव से भी सही ठहरती है क्योंकि प्रीमियम जुटाने या क्लेम के निपटारे में पहले पांच स्थानों पर अभी भी देशी कंपनियां ही बनीई हुई हैं और ये सब की सब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हैं। उनके क्लेम निपटारे का रिकार्ड विदेशी भागीदारी वाली कंपनियों से बहुत अच्छा है और उनके यहां पॉलिसीज को लेकर विवाद(कानूनी भी) बहुत कम हैं। यह बात लगातार सबकी जानकारी में है कि उदारीकरण अभियान में शुरू से ही बैंकिंग, पूंजी बाजार और बीमा को खोलने का दबाव रहा है। यह काम लाख विरोध और विदेशी हिस्सेदारी बढ़ाने के खराब अनुभव के बावजूद लगातार आगे बढ़ा है। और इस बार उसे अंतिम नतीजे तक पहुंचाने का फैसला हुआ है। यह माना जाता है कि इस सरकार ने सिर्फ दो बीमा कंपनियों(जिनमें एक जीवन बीमा और दूसरी सामान्य बीमा) और पांच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को ही अपने हाथ में रखकर बाकी सबको बाजार के हवाले करने का मन बनाया है। जब भारतीय मजदूर संघ समेत अन्य मजदूर संघों और राजनैतिक विरोध ज्यादा दिखा तो बात दबा ली गई, इस बार कहीं से कोई आवाज नहीं है तो शत–प्रतिशत विदेशी निवेश का फैसला कर लिया गया। अब अनुभव या उपभोक्ताओं के हित या देश की अर्थव्यवस्था का लाभ घाटा देख समझकर यह कदम उठाया जा रहा है तो इसके अपने तर्क ज्यादा कमजोर नहीं हैं। असल में पूंजीध्शेयर बाजार, बीमा और बैंकिंग प्रधानतरू पूंजीवाद का सबसे मजबूत उपकरण बन गए हैं और इस अर्थव्यवस्था में पूंजी का इंतजाम करने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका होती है। अपनी आर्थिक व्यवस्था के मजबूत पदों पर बैठे किसी व्यक्ति से बहस कीजिए तो वह आपके सारे तर्क मानकर भी आखिर में यही कहेगा कि यह कदम देश की उदार निवेश व्यवस्था में भरोसा पैदा करने के लिए जरूरी है और इन तीनों क्षेत्रों में उदारीकरण के लिए जिन कदमों को उठाया गया उसके लाभ या घाटा जो भी रहे हों बात आगे ही बढ़ती गई है तो बीमा क्षेत्र को शत–प्रतिशत खोलना रोका नहीं जा सकता था। यह एक तरह की पूर्णाहुति है। लेकिन बीमा व्यवसाय से जुड़े लोग आपको ठीक–ठीक हिसाब बताकर यह समझा देंगे कि देसी कंपनियों का कारोबार विदेशी और नामधारी कंपनियों से बेहतर है। प्रीमियम जमा करने और दावे निपटाने का रिकार्ड भी बेहतर है–बल्कि पहले पांच स्थानों पर सार्वजनिक क्षेत्र वाली कंपनियां हैं। इस मामले में यह उल्लेख करना जरूरी है कि क्लेम के मामले में एक ओर बड़ी कंपनियों के चंट वकील और लीगल टीम होती है तो दूसरी तरफ अपनी बचत का पाई–पाई लगाने वाला अकेला ग्राहक। अपने यहां, विदेशी और निजी बीमा कंपनियों से यह शिकायत आम है कि उनके एजेंट जिस पॉलिसी के नाम पर स्वीकृति और पैसा लेते हैं बाद में वह किसी और पॉलिसी में बदल देते है–आम तौर पर बाजार में ज्यादा जोखिम वाली योजनाओं में पैसा लगाया जाता है। लेकिन जिस चीज की असली चर्चा होनी चाहिए वह इन कंपनियों से मिलने वाले बीमा के दायरे का है। वह विदेशी नाम या बड़े ब्रांड का बीमा तो करेंगे लेकिन देसी और छोटे उद्यमियों के उत्पाद बीमा के दायरे से बाहर हो जाते हैं, इसे अभी सबसे अच्छी तरह बीमारी के इलाज के सिलसिले से समझा जा सकता है। कल को मकान, दूकान, फर्नीचर, बरतन–बासन और हर चीज के बीमा में यह भेद दिखेगा और लगेगा कि विदेशी बीमा कंपनियां कुछ खास संगी साथियों की मदद करने आई है–आम लोगों से उनका कोई मतलब नहीं है। इससे भी ज्यादा घातक बात निवेश वाली कंपनियों का चुनाव है जो बहुत स्पष्ट ढंग से पक्षपात बढ़ाती हैं। पैसा हमारा आपका और निवेश का फैसला इन कंपनियों के हाथ में जाने से कुछ कंपनियों की आश्चर्यजनक तेज वृद्धि का रहस्य समझा जा सकता है। सो वे तो शत–प्रतिशत विदेशी मिल्कियत के लिए बेचैन होंगी ही हमारी सरकारें क्यों निरंतर उनका मिशन आगे बढ़ाने में लगी रही हैं यह समझना खास मुश्किल नहीं होना चाहिए।

सरयूपारीण ब्राह्मणों से मिला कश्मीरी पंडितों का डीएनए, निकले यूपी-बिहार के मूल निवासी

वाराणसी। कश्मीरी पंडितों का आनुवांशिक संबंध सरयूपारीण ब्राह्मणों से है। इनके डीएनए का मूल यूपी और बिहार में है। आज से करीब 35 हजार साल पहले उन्होंने कश्मीर घाटी की ओर रुख किया था। अभी तक इन लोगों को ईस्ट यूरेशिया में तिब्बत और लद्दाखी आबादी के साथ जोड़कर देखा जाता था, लेकिन वैज्ञानिक अध्ययनों में साबित हो गया कि वहां के जीन का कोई साक्ष्य नहीं मिला। कश्मीरी पंडितों को लेकर ये खुलासा बीएचयू के वैदिक विज्ञान केंद्र में जीन वैज्ञानिक प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने किया। यहां कश्मीररू अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक रिसर्च पेपर स्प्रिंजर नेचर में

प्रकाशित हो चुका है, वहीं दूसरा रिसर्च भी अंडर प्रॉसेस है। 85 कश्मीरी पंडितों के 6 लाख 50 हजार मार्कर्स के डेटा पर अध्ययन किया गया। इस डेटा का ईस्ट यूरेशिया और भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के 1800 अन्य लोगों के साथ तुलना कर इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया। कश्मीरी पंडितों के माइटोकॉन्ड्रिया डीएनए के आधार पर अध्ययन किया गया है। इसमें पता चला है कि इनके डीएनए का एक बड़ा घटक सिंधु घाटी सभ्यता का है। जो कि आठ हजार साल पहले का है। इसमें देखा गया कि उनका उत्तर भारतीय ब्राह्मणों के साथ बहुत नजदीकी आनुवांशिक संबंध है।

तीन काल खंड में हुआ था माइग्रेशन

कश्मीर में प्रथम मानव लगभग 35 हजार वर्ष पूर्व उत्तर भारत से पहुंचा था। बायेसियन स्काई लाइन और मॉलीक्यूलर क्लॉक विश्लेषणों के मुताबिक, कश्मीर में बसने वालों का तीन काल खंड रहा है। बायेसियन स्काईलाइन एंड मॉलीक्यूलर क्लॉक की मदद से शताब्दियों में आबादी में हुए बड़े बदलावों का पता लगाया जाता है। मानवों का प्रथम कश्मीर आगमन 35 हजार पहले, दूसरा 25 हजार साल और तीसरा, आठ हजार साल पहले हुआ। बाद में ईस्ट और वेस्ट यूरेशिया से भी लोग आए और वहां रहने वाले ब्राह्मणों के साथ घुलने मिलने लगे। जम्मू और कश्मीर के लोगों का डीएनए भाषा के आधार पर नहीं बल्कि भौगोलिक आधार पर मिलता है।

ट्रॉली माउंटेड सोलर पंप की होगी स्थापना

चंदौली। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लघु सिंचाई विभाग की ओर से चेकडैम और तालाब पर भू-स्तरीय सिंचाई सुविधा के लिए ट्रॉली माउंटेड दो एचपी सोलर पंप की स्थापना के लिए कुल 12 सेट स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए सोलर पंप की लागत 1. 71 लाख 716 रुपये और ट्रॉली लगाने पर 78 हजार रुपये खर्च होंगे। इसमें सोलर पंप पर 60 प्रतिशत और ट्रॉली पर 90 फीसदी रुपये का अनुदान मिलेगा इस दौरान सहायक अभियंता लघु सिंचाई रामजी सिंह ने बताया कि योजना में कुल 12 लक्ष्य के अनुसार चेक डैम, तालाब पर भू-स्तरीय सिंचाई सुविधा के लिए इच्छुक लाभार्थी, कृषक अनुदान धनराशि के अतिरिक्त कृषक अंश धनराशि 79 हजार 186 रुपये का बैंक ड्राफ्ट लघु सिंचाई विभाग में जमा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद पहले आओ पहले पाओ के आधार पर सोलर पंप का आवंटन किया जाएगा।

आंतरिक संस्थागत कोटा खत्म..., बीएचयू व आयुष मंत्रालय से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

वाराणसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आयुर्वेद संकाय के पीजी पाठ्यक्रमों में आंतरिक संस्थागत कोटा खत्म करने पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और आयुष मंत्रालय से जवाबी हलफनामा मांगा है। कोर्ट ने इसके लिए दो सप्ताह का समय दिया है। याचिका पर अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सर्राफ और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने कृष्ण लाल गुप्ता व पांच अन्य की याचिका पर दिया। याचिका में बीएएमएस के छात्रों ने पीजी पाठ्यक्रम के आंतरिक संस्थागत कोटा की सीटों को अखिल भारतीय कोटा में बदलने और आयुष पीजी पाठ्यक्रमों में आंतरिक कोटा के तहत केवल एक बार आवेदन करने के नियम को चुनौती दी है।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी

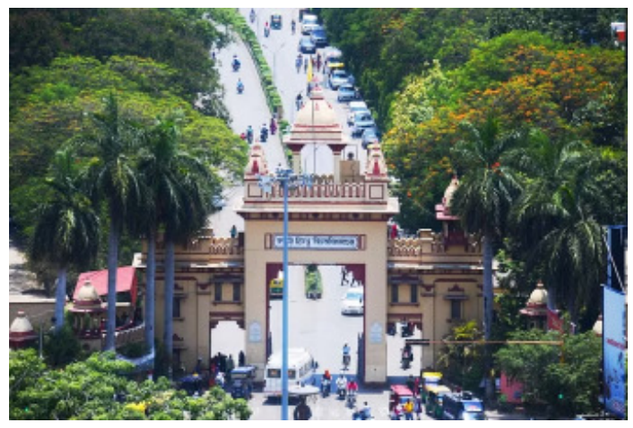

कि याचिका दाखिल करने के बाद आयुष मंत्रालय ने आयुष पीजी कोर्स में आंतरिक कोटे के तौर पर 25 आरक्षित सीटों को अखिल भारतीय कोटा (ओपन कैटेगरी) में बदल दिया है। यह विधि विरुद्ध है। देश के अन्य किसी भी संस्थान में आंतरिक कोटे में पीजी प्रवेश में सिर्फ एक अवसर देने का प्रतिबंध नहीं है। बीएचयू के अन्य विभागों में भी आंतरिक कोटा सीटों के लिए दो अवसर दिए जाते है। कोर्ट ने याचियों का पक्ष सुनने के बाद बीएचयू से जवाब मांगा है।

छात्राओं को सुरक्षा उपायों के प्रति किया जागरूक

रतनपुरा। स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के तहत पावर एंजल के सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया।प्रशिक्षण का शुभारंभ आंजिका वर्मा ने अभियान गीत से किया। इस दौरान छात्राओं को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। प्रशिक्षण में ब्लॉक क्षेत्र के समस्त उच्च प्राथमिक, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों से एक-एक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर स्कूली छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, गुड टच और बैड टच की पहचान, आत्म-सुरक्षा के उपाय एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। छात्राओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी सुरक्षा निश्चित करना है। इस दौरान ऋषभ त्रिपाठी, राजीव पांडेय, विनय सिंह, मुस्तफा सहित समस्त बीआरसी स्टॉफ मौजूद रहे।

ढाबा संचालक पर तमंचे से की फायरिंग, दो हिरासत में

मुहम्मदाबाद गोहना/वलीदपुर। मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के तहसील मुख्यालय के पास एक ढाबा संचालक पर बृहस्पतिवार को तीन मनबढ़ो ने तमंचा से फायरिंग कर दी। मुख्य बाजार में शाम को अचानक हुई फायरिंग से अफरा तफरी मच गई, इस बीच संचालक ने पुलिस को सूचना दे दी। उधर गोली की आवाज सुनकर एकत्रित लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे दो को पकड़ लिया। जबकि एक फरार हो गया। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के कबीराबाद मुहल्ला निवासी संजय कश्यप ने बताया कि उसका मुहम्मदाबाद गोहना तहसील कार्यालय से कुछ दूरी पर नानवेज का ढाबा संचालित होता है। बताया कि बृहस्पतिवार की शाम करीब 9 बजकर 45 मिनट पर तीन लोग खाना खाने के लिए उसके ढाबे में पहुंचे। खाना देर से मिलने की बात पर तीनों ने विवाद किया। कुछ देर बाद जब वेटर चावल लेकर तीनों के पास गया तो तीनों उससे गालीगलौज करने लगे। इस बीच वह शोर शराबा सुनकर उनके पास गया और इसको लेकर विरोध जताते हुए ऐसा न करने की बात कही। आरोप लगाया कि इस बीच तीनों कुछ देर बाद निकले, इसमें एक युवक ने तमंचा निकाला और फायरिंग कर दी। इस बीच किसी ने पुलिस पुलिस को सूचना दिया तो मौके पर पहुंच पुलिस ने वहां मौजूद दो लोगों को पकड़ लिया और कोतवाली ले गई। जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

निजीकरण के विरोध में उतरे बिजलीकर्मी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के आह्वान पर शुक्रवार को बिजली कर्मियों ने भिखारीपुर स्थित हनुमान मंदिर पर बिजली के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया। समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों को डराने के लिए उनके समयबद्ध वेतनमान में प्रतिगामी बदलाव करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रबंधन के बिजली कर्मियों के वेतन में बदलाव करने पर परिणाम गंभीर होंगे। बिजली निजीकरण के विरोध में समिति आम जनता के बीच जनसंपर्क अभियान चलाएगी। संघर्ष समिति ने कहा कि अब पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण में इससे भी बड़ा घोटाला करने की तैयारी है। इसका दुष्परिणाम उपभोक्ताओं को चुकाना पड़ेगा। मौके पर मायाशंकर तिवारी, नरेंद्र वर्मा, वेद प्रकाश, राम कुमार,राजेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

बही ठंडी हवा, फिर भी पारा 26 डिग्री, यूपी का दूसरा सबसे गर्म स्थान काशी

वाराणसी। पश्चिमी विक्षोभ ने जिले का पारा 4 डिग्री तक लुढ़का दिया है। शुक्रवार को 22 किलोमीटर प्रति घंटे से बही हवा ने वाराणसी शहर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से 26.1 डिग्री पर ला दिया, वहीं गावों का पारा 24 डिग्री तक आ गया। न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। दिन भर 15 से लेकर 22 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं बहती रहीं, इससे अप्रैल की तर्ज पर चुभ रही धूप से राहत मिली। ठंडी हवा के बावजूद शुक्रवार को सोनभद्र स्थित चुर्क में 27.2 डिग्री तापमान के बाद वाराणसी का शहरी इलाका यूपी का दूसरा सबसे गर्म स्थान रहा। शहर ने फरवरी महीने में गर्मी का नया रिकॉर्ड ही बना लिया है। बीते 34 सालों में पहली बार बीएचयू का फरवरी महीना सबसे गर्म रहा। सात दिन में से पांच दिन तक तापमान 29 डिग्री से ज्यादा रहा। वहीं दो दिन 30 डिग्री से ऊपर। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने कहा कि 1991 के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि फरवरी महीने का तापमान जिले में 30 डिग्री पहुंचा हो। इसके पहले उच्चतम तापमान का रिकॉर्ड 2 फरवरी 2007 को 29.7 डिग्री सेल्सियस के नाम था। मौसम विभाग द्वारा जारी बीएचयू के तापमान में शहरी गर्मी का ज्यादा प्रभाव है।

छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण पर कालीन की कलाकारी देखी

वाराणसी। पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज जक्खिनी के छात्रों ने शुक्रवार को शैक्षणिक भ्रमण पर भदोही जाकर कालीन की कलाकारी देखी। छात्रों ने वहां भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान का भ्रमण किया। छात्रों को वहां पर कालीन से संबंधित धागा तैयार करने की विधि बताई गई। साथ ही रंगाई, बुनाई आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान के अधिकारी बी राय ने छात्रों को कुशल कारीगरों से मिलवाया। इस दौरान प्रधानाचार्य सुनील यादव, शिक्षक राजेश कुमार राय, डॉ. रमेश सिंह, आरपी मौर्य सहित कक्षा 9 और 11 के 100 से अधिक छात्र रहे।

यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षा में अब विद्यालय का होगा अश्वडिट

वाराणसी। डीएवी इंटर कॉलेज में बृहस्पतिवार यूपी बोर्ड की प्रैक्टिकल परीक्षा में दूसरा परीक्षक पकड़ा गया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने नया आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित कराए जाने वाले विद्यालयों के सापेक्ष रैंडम आधार पर पांच प्रतिशत विद्यालय का ऑडिट किया जाएगा।

वाहन स्वामियों के लिए खुशखबरी, जल्द मिलेगा चिप वाला आरसीय न गलेगा और न फटने का डर

वाराणसी। वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) का स्वरूप बदलने वाला है। आरटीओ कार्यालय से वाहन स्वामियों को जारी होने वाली आरसी पेपर की जगह अब डीएल जैसा स्मार्ट कार्ड वाला आरसी मिलेगा। नए वित्तीय वर्ष से उत्तर प्रदेश में स्मार्ट कार्ड जारी होगा। स्मार्ट कार्ड में तब्दील होने वाला रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट न फटेगा और न ही गलेगा।

वाराणसी के संभागीय परिवहन कार्यालय में कवायद रफ्तार पकड़ने लगी है। संभागीय परिवहन अधिकारियों के अनुसार, परियोजना पर काम चल रहा है। दो माह बाद नए वित्तीय वर्ष से स्मार्ट कार्ड के रूप में आरसी जारी होने का अनुमान है। इसे वाहन स्वामी कहीं भी ले जा सकते हैं। यह लंबे समय तक टिकाऊ रहेगा। पेपर आरसी कम सुविधाजनक और जल्दी क्षतिग्रस्त होने वाली होती है। सुरक्षा के तौर पर स्मार्ट कार्ड में डेटा एंबेडेड माइक्रो चिप के माध्यम से सुरक्षित रूप से संग्रहीत होता है, ताकि डेटा सुरक्षित होती है। वर्तमान में पेपर आरसी अपेक्षाकृत असुरक्षित है और नुकसान पहुंचने की संभावना अधिक होती है।

साफ पानी के संकेत, सरकार के प्रोजेक्ट का दिखा असर

वाराणसी। गंगा में इन दिनों राष्ट्रीय जलीव जीव डॉल्फिन की संख्या बढ़ रही है। इन दिनों अठखेलियां करतीं डॉल्फिन और उनके बच्चे गंगा की ऊपरी सतह तक आ जाते हैं। उप प्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार के अनुसार डॉल्फिन की संख्या बढ़ना गंगा का जल साफ होने का संकेत है।

डॉल्फिन को घाट के आसपास देखकर लोग काफी उत्साहित हो रहे हैं। मार्कंडेय महादेव घाट के आस-पास अभी डॉल्फिन की संख्या 50 से 60 तक होने का अनुमान है। डॉल्फिन की संख्या का बढ़ना गंगाजल की गुणवत्ता में सुधार से संभव हुआ है।

साथ ही यह मौसम विज्ञानियों और डॉल्फिन प्रेमियों के लिए एक राहत भरी बात है। ये डॉल्फिन दो से तीन मिनट में सांस लेने के लिए

पानी के ऊपर आती है। ईको टूरिज्म के लिए विकसित डॉल्फिन पॉइंट ढाका को अर्थ गंगा की अवधारणा के अनुसार तैयार किया गया है। गंगाजल की गुणवत्ता में सुधार होने से कैथी के निकट इनकी संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना बढ़ गई है।

डॉल्फिन को बचाने के लिए बनाए गए है डॉल्फिन मित्र

गंगा से लुप्त हो चुके इस जीव के संरक्षण के लिए सरकार की तरफ से प्रोजेक्ट डॉल्फिन भी चलाया जा रहा है। इसके लिए वाराणसी में छह लोगों को नियुक्त किया गया है। जो नदी में डॉल्फिन की निगरानी और उनके संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। डॉल्फिन मित्र गंगा के किनारे रहने वाले लोगों और मछुआरों गंगा में जाल न डालने और गंदगी न करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। साफ पानी का संकेत भी है डॉल्फिन डॉल्फिन जल के स्वच्छ होने का भी संकेत देती है। गंगेज डॉल्फिन जिन स्थानों पर मिलती है माना जाता है कि वहां का जल स्वच्छ होता है। पर्यावरणविद् मानते हैं कि गंगा से जुड़ी नहरों में पानी साफ होने के चलते पहले भी डॉल्फिन पाई गई हैं।

बोले अधिकारी

गंगा में लगातार डॉल्फिन की संख्या बढ़ रही है। यह शुभ संकेत है, जहां डॉल्फिन होने का अर्थ गंगा के जल का स्वच्छ होना है। लोगों को जागरूक कर डॉल्फिन का संरक्षण किया जा रहा है। गंगा में इन दिनों बड़ी डॉल्फिन के साथ उनके बच्चों को भी देखा जा सकता है।

आभूषण की दुकान में घुसे दो बदमाशों ने सराफ पर रॉड से किया वार, बिना नंबर की स्कूटी से भागे

वाराणसी। जैतपुरा थाना क्षेत्र के ओरीपुरा में शुक्रवार दोपहर स्कूटी सवार दो बदमाश हेलमेट पहनकर आभूषण की दुकान में घुसे। बदमाशों ने सराफ पर रॉड से वार किया। हालांकि, सराफ अकेले बदमाशों से भिड़ गए और शोर मचाने लगे। पकड़े जाने के डर से दोनों बदमाश बगैर नंबर की नीले रंग की स्कूटी स्टार्ट कर भाग निकले। सूचना पाकर जैतपुरा थाने की पुलिस और एसओजी सीसी कैमरों की फुटेज खंगाल कर बदमाशों को चिह्नित करने का प्रयास कर रही है।औसानगंज के नंदलाल सोनी के बड़े बेटे हर्ष सोनी की आभूषण की दुकान ओरीपुरा में है। दोपहर 1.35 बजे हर्ष दुकान पर अकेले बैठे थे। एक बदमाश हेलमेट पहन कर दुकान में घुसा और हर्ष की गर्दन पर रॉड से वार कर दिया। दूसरा बदमाश भी दुकान में घुस आया। इस पर हर्ष दोनों से भिड़ गए और उन्हें धक्का देते हुए दुकान से बाहर निकाल दिए। शोर सुनकर आसपास के लोग दुकान की ओर बढ़े। खुद को घिरता देख दोनों बदमाश स्कूटी से नागकुआं की ओर भाग निकले। हर्ष ने परिजनों के साथ पुलिस को सूचना दी। जैतपुरा थानाध्यक्ष और एसओजी प्रभारी के साथ एसीपी चेतगंज मौके पर पहुंचे। एसीपी चेतगंज गौरव कुमार ने बताया कि इलाके के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बदमाशों को पकड़ने के लिए जैतपुरा थाने की पुलिस के साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम भी लगाई गई है। अब तक जितनी भी फुटेज मिली है उसमें बदमाश इलाके की गलियों में ही इधर से उधर भागते नजर आए हैं। इससे ऐसा प्रतीत हुआ है कि बदमाश स्थानीय ही हैं।

जूता छोड़कर भागे बदमाश

हर्ष ने बताया कि एक बदमाश हेलमेट पहन कर दुकान के शटर के पास अपना जूता उतार कर अंदर आया। जब तक वह कुछ समझते तब तक दूसरा बदमाश भी जूता उतार कर अंदर की ओर बढ़ा। हर्ष ने बताया कि दुकान में पहले घुसे बदमाश ने उन पर रॉड से वार किया। दूसरे ने कहा कि इसका मुंह बंद करो। कुछ देर के लिए वह घबरा गए थे, लेकिन अपनी और दुकान की सुरक्षा के लिए वह बदमाशों से भिड़ गए। हर्ष ने कहा कि उन्होंने हिम्मत दिखाई तो बदमाशों को दुकान से भागना पड़ा। दोनों इतनी तेजी से भागे कि दुकान के शटर के पास उतारा हुआ अपना जूता भी नहीं पहन सके।

विधायक बोले- बदमाशों को जल्द गिरफ्तार करें थानाध्यक्ष

उत्तर प्रदेश स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष रवि सर्राफ, सत्यनारायण सेठ, जिलाध्यक्ष कमल कुमार सिंह, जिला महामंत्री किशोर कुमार सेठ और व्यापारी नेता विष्णु दयाल सेठ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष जैतपुरा बृजेश कुमार मिश्रा ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे। उधर, भाजपा विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने जैतपुरा थानाध्यक्ष से बात की। उन्होंने थानाध्यक्ष को बदमाशों की गिरफ्तारी जल्द सुनिश्चित करने को कहा।

सेकंड हैंड ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे घर पलटा, पिता-पुत्र और भतीजे की मौत

हरहुआ (वाराणसी)। सेकंड हैंड ट्रैक्टर खरीद कर दर्शन-पूजन कर घर जा रहे परिवार की खुशियों पर शुक्रवार की देर रात ग्रहण लग गया। घर पहुंचने से पहले ही औसानपुर गांव में ट्रैक्टर पलट गया और उसमें सवार पिता, पुत्र व भतीजे की मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची बड़ागांव थाने की पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बड़ागांव थाना क्षेत्र के औसानपुर गांव निवासी रामदुलार राम उर्फ भोनू (62) ने शुक्रवार को मोहनसराय से एक सेकंड हैंड ट्रैक्टर खरीदा। ट्रैक्टर को लेकर वह अपने पुत्र मन्नू राम (35) और भतीजे विनोद राम (45) के साथ अदलपुरा स्थित शीतला धाम में दर्शन-पूजन करने गए थे। ट्रैक्टर भोनू चला रहे थे। वापसी में हरहुआ चौराहा से पंचक्रोशी मार्ग पर औसानपुर गेट से घर की ओर बढ़े। लगभग 100 मीटर आगे बढ़ने पर मोड़ आते ही ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। परिजनों ने बताया कि रामदुलार के तीन पुत्र थे, जिनमें से एक की उनके साथ मौत हो गई।

दीपफेक व एआई जनरेटेड गलत सूचना का मुद्दा उठाया

चंदौली। राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा उठाया। इस दौरान उन्होंने डीपफेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जनरेट की गई गलत जानकारी के दुष्प्रभावों पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार से इस बढ़ते खतरे के खिलाफ ठोस कदम उठाने की अपील की, जिससे समाज में अफवाहों और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके। राज्यसभा में दर्शना सिंह ने कहा कि आजकल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई-नई तकनीकों का विकास हो रहा है, इसलिए हमें भी इनसे निपटने के लिए मजबूत और सजग रहना होगा। आजकल एआई तकनीक का गलत उद्देश्य के लिए उपयोग किया जा रहा है, जिससे न केवल व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि समाज में विश्वास की स्थिति भी कमजोर हो रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि डीपफेक वीडियो और ऑडियो क्लिप्स के माध्यम से कई बार लोगों की छवि को नुकसान पहुंचाया गया है, और इससे राजनीति, समाज और सार्वजनिक जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। उन्होंने इस संदर्भ में सरकार से आग्रह किया कि इसके लिए सख्त कानूनी प्रावधानों किया जाए और तकनीकी समाधान विकसित किए जाएं, ताकि इस प्रकार की गलत सूचनाओं को फैलने से रोका जा सके। इस मुद्दे को लेकर सभापति जगदीप धनकड़ और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने दर्शना सिंह की सराहना की। कहा कि इस डिजिटल युग में सदस्यों द्वारा ऐसे गंभीर मुद्दे को जागृत करना अत्यंत आवश्यक है।

जलावनी लकड़ी लेने गए युवक पर भालू ने किया हमला

चंदौली। नौगढ़ विकास खंड के लौवारी कलां गांव के पास जंगल में लकड़ियां लेने गए युवक पर शुक्रवार को भालू ने हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने युवक को सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने घायल को ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। गांव के ही रहने वाले संजय कोल रोज की तरह शुक्रवार को भी जंगल में जलावनी लकड़ी लेने गया था। जैसे ही वह जंगल के बीच पहुंचा कि जयमोहनी रेंज के अहमदा बीट के लौवारी जंगल में जंगली भालू ने संजय पर हमला बोल दिया। शोर मचाने पर आस-पास के लोग लाठी डंडा लेकर पहुंचे तो भालू ने संजय को छोड़ा और जंगल की तरफ भाग निकला। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान यशवंत सिंह यादव ने लोगों की मदद से उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। भालू ने संजय का कान और गाल पूरी तरह नोच लिया था। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। उधर, घटना की सूचना मिलते ही जय मोहनी रेंजर मकसूद हुसैन भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

इंजन में फंसकर पिता-पुत्र समेत 3 की मौत, चीख सुन बचाने पहुंचे लोगों को हो गई अनहोनी

वाराणसी। सेकेंड हैंड ट्रैक्टर खरीद कर दर्शन-पूजन कर घर जा रहे परिवार की खुशियों पर शुक्रवार की देर रात ग्रहण लग गया। घर पहुंचने से पहले ही औसानपुर गांव में ट्रैक्टर पलट गया और उसमें सवार पिता, पुत्र व भतीजे की मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची बड़ागांव थाने की पुलिस ने तीनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बड़ागांव थाना क्षेत्र के औसानपुर गांव निवासी रामदुलार राम उर्फ भोनू (62) ने शुक्रवार को मोहनसराय से एक सेकेंड हैंड ट्रैक्टर खरीदा। ट्रैक्टर को लेकर वह अपने पुत्र मन्नू राम (35) और भतीजे विनोद राम (45) के साथ अदलपुरा स्थित शीतला धाम में दर्शन-पूजन करने गए। ट्रैक्टर रामदुलार उर्फ भोनू चला रहे थे। वापसी में वह हरहुआ चौराहा से पंचक्रोशी मार्ग पर औसानपुर गेट से घर की ओर बढ़े। औसानपुर गेट से लगभग 100 मीटर आगे बढ़ने पर मोड़ आते ही ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। किसी तरह से ग्रामीणों को हादसे की जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि रामदुलार के तीन पुत्र थे, जिनमें से एक की उनके साथ मौत हो गई। मन्नू राम के चार पुत्र व एक पुत्री और विनोद के दो पुत्र व दो पुत्रियां हैं। हादसे के बाद दुर्घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी हुई थी। ग्रामीणों का कहना था कि यह क्या अनर्थ हुआ? पूरे परिवार की खुशियां धरी की धरी रह गईं।

130 डीएलएड प्रशिक्षु 261 परिषदीय विद्यालयों का करेंगे निपुण आकलन

मऊ। सरकार की ओर से दूसरे चरण में जिले के परिषदीय विद्यालयों में निपुण आकलन किया जाएगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के 130 डीएलएड प्रशिक्षु 261 परिषदीय विद्यालयों का आकलन करेंगे। इसके लिए प्रशिक्षुओं की 80 टीमें गठित की गई है। प्रत्येक टीम एक दिन में दो विद्यालयों का निपुण आकलन करेगी। निपुण लक्ष्य एप पर किए जाने वाले मूल्यांकन परिणाम का डाटा तैयार होगा। इसे विद्यालयों के शिक्षकों के साथ साझा किया जाएगा। मूल्यांकन की रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और डायट प्राचार्य को भेजी जाएगी। 75 प्रतिशत अंक पाने वाले बच्चे निपुण विद्यार्थी घोषित होंगे। जिले में 1208 परिषदीय विद्यालयों में 1.31 लाख बच्चे हैं। निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई प्रकार की शैक्षिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 तक निपुण लक्ष्य प्राप्त किए जाने का लक्ष्य रखा है। निपुण भारत मिशन के तहत कक्षा एक से तीसरी कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अधिगम स्तर को बेहतर बनाने और उस कक्षा के अनुरूप स्तर पर लाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कक्षा एक से तीन के पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षकों के प्रयोग के लिए गणित और हिंदी की आधारशिला क्रियान्वयन बुकलेट विकसित कर शिक्षकों को उपलब्ध कराई गई है, ताकि कक्षा एक से तीन में विद्यार्थियों की फाउंडेशनल लर्निंग को सुदृढ़ किया जा सके। इस बुकलेट में प्रिंटरिच सामग्री, गणित किट आदि के प्रयोग पर समझ और कौशल विकसित करने के उद्देश्य से शिक्षकों को प्रशिक्षित भी किया गया है। स्कूलों में बच्चों ने निपुण लक्ष्य को कितना हासिल किया है अब इसके मूल्यांकन की तैयारी की गई है। मूल्यांकन की जिम्मेदारी डीएलएड प्रशिक्षुओं को सौंपी गई है।शासन की ओर से निपुण आकलन के लिए दूसरे चरण में 261 प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों को चिह्नित किया गया है। 17 फरवरी से निपुण मूल्यांकन शुरू होगा। फरवरी के अंतिम सप्ताह तक मूल्यांकन कार्य समाप्त होगा। इसके लिए 130 डीएलएड प्रशिक्षुओं की 80 टीमें विद्यालयों का आकलन करेंगी।

टाइगर रिजर्व की राह पकड़ फिर लौट आई बाघिन

शक्तिनगर। सीमा से सटे मप्र के सिंगरौली में टाइगर रिजर्व से भटक कर पहुंची बाघिन शुक्रवार सुबह रिजर्व का रुख की लेकिन कुछ घंटे बाद फिर सिंगरौली के माड़ा इलाके में लौट आई। बाघिन के गले में लगी कॉलर आईडी से मूवमेंट का लोकेशन अपडेट हो रहा है। लोकेशन के आधार पर ही वन विभाग व टाइगर रिजर्व की टीमें निगरानी कर रही हैं। बाघिन की दहाड़ से बुधवार को कई गांवों के लोग दहशत में आ गए थे। माड़ा वन परिक्षेत्र के डोंगरी व लंघाडोल क्षेत्र में बाघिन की मौजूदगी दर्ज की गई थी। इसके बाद से कई टीमें निगरानी के लिए लगा दी गई। शुक्रवार सुबह बाघिन का लोकेशन टाइगर रिजर्व के रास्ते में मिला। इसके बाद माना जाने लगा कि बाघिन लौट रही है लेकिन फिर वह लौट आई। इस खबर से क्षेत्र के रहवासियों को आगाह किया गया और सावधानी बरतने की अपील की गई। वन परिक्षेत्राधिकारी माड़ा हर्षित मिश्रा ने बताया कि बाघिन के आक्रामक होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं, यह रहवासियों के लिए राहत की बात है। बुधवार रात बाघिन का मूवमेंट सिंगरौली जिले से लगे संजय टाइगर रिजर्व के भूईमाड़ रेंज में था।

भारत के पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है सरकार की प्राथमिकता: अनुराग ठाकुर

महाकुम्भ नगर। भारत अपने परम्परागत खेलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। 2036 में भारत में आयोजित होने जा रहे ओलंपिक खेल भी इसको मंच प्रदान करेंगे। प्रयागराज महाकुम्भ में चल रहे खेल महाकुम्भ में पहुंचे केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया है। उनके साथ दिग्गज फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया भी मौजूद रहे। भारत के पारंपरिक महाकुम्भ में चल रहे 7 दिवसीय श्खेल महाकुम्भश के तीसरे दिन भारत के परम्परागत खेलों की स्पर्धा आयोजित की गई। दिग्गज फुटबॉलर बाइचुंग भूटिया और पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर शामिल हुये। मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारत के पारंपरिक खेलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है। इस दिशा में क्रीड़ा भारती और टीवाईसी की पहल शानदार है। मोदी सरकार कबड्डी, कलारीपयट्टू, मल्लखंब, खो–खो जैसे परम्परागत खेलों को प्राथमिकता से बढ़ावा दे रही है। इससे दुनिया हमारे खेलों की ताकत को पहचानेगी। 2036 ओलंपिक से पहले इस तरफ कदम बढ़ाना है। मोदी जी के नेतृत्व में अपने देशी खेलों को बढ़ावा देने की जो शुरुआत हुई थी वह आज तेज गति से चल रही है। महाकुम्भ के सेक्टर 10 में चल रहे खेल महाकुम्भ के पहले सत्र में चीफ गेस्ट के तौर पर लाखों खिलाड़ियों के आदर्श बाइचुंग भूटिया रहे। युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए भूटिया ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने की सराहना की। उन्होंने कहा, ष्फुटबाल को लेकर योगी जी के प्रयास बहुत शानदार है. यूपी आगे जायेगा तो इंडिया आगे जायेगा। 2036 ओलंपिक की मेजबानी इंडियन स्पोर्ट्स को बहुत आगे ले जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश की सरकार के प्रयासों के साथ साथ ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन जैसे संस्थानों को भी सरकार के साथ साझा प्रयास करना चाहिए। खेल महाकुम्भ का तीसरा दिन देश के परंपरागत खेलों को समर्पित रहा। शनिवार के दिन का मुख्य आकर्षण कबड्डी फाइनल था, जिसमें हरियाणा और काशी प्रांत के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें हरियाणा की टीम विजयी रही। इसके अलावा दिनभर के कार्यक्रमों में उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के युवा एथलीटों ने मल्लखंब जैसे भारत के प्राचीन खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही खो–खो, कलारीपयट्टू और तीरंदाजी जैसे पारंपरिक खेलों ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया। वहीं, कुश्ती और तीरंदाजी के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का खूब ध्यान आकर्षित किया। कल यानी रविवार को मल्लखंब का फाइनल होगा। खेल महाकुंभ 2025, यह सप्ताहभर चलने वाला भव्य खेल आयोजन 6 से 13 फरवरी तक प्रयागराज के मेला क्षेत्र, सेक्टर 10 में आयोजित किया जा रहा है। पूरे भारत से आए खिलाड़ी विभिन्न पारंपरिक खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे यह आयोजन भारत के स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को निखारने का एक शानदार मंच साबित हो रहा है। आयोजन की भव्यता को और बढ़ाने के लिए कल यानि 9 फरवरी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आ रहे हैं। वही, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 फरवरी को खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए उपस्थित होंगे। उत्तर प्रदेश क्रीड़ा भारती के अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह, क्रीड़ा भारती मौजूद रहीं।

शास्त्रों का ज्ञान बच्चों के जीवन में अध्यात्मिक चेतना जागृत करता है – पण्डित देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज

महाकुंभ नगर। शांति सेवा शिविर में देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के सानिध्य में 11 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण के दिव्य अनुष्ठान के तृतीय दिवस एवं जया एकादशी के पावन दिन 1 लाख 51 हजार पार्थिव शिवलिंग का निर्माण एवं अभिषेक किया गया। कथा में दीदी माँ ऋतम्भरा जी ने शामिल होकर व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं कथा पंडाल में उपस्तिथ भक्तों को संबोधित किया। हमारे जीवन में माता–पिता और बुजुर्गों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके आशीर्वाद से ही हमारी राह रोशन

होती है और जीवन में सच्ची सुख–शांति का अनुभव होता है। यदि आप बैठें हों और माता–पिता का आगमन हो, तो तुरंत खड़े हो जाइए, माता–पिता के चरणों में बैठकर उनके आशीर्वाद का लाभ उठाना चाहिए। यह छोटी सी बात, आपके जीवन में विनम्रता और आदर्श की नींव रखती है। हमारे बच्चों को शास्त्रों का गहन अध्ययन करना बेहद जरूरी है। वेद, उपनिषद, भागवद गीता और अन्य शास्त्रों के दर्शन न केवल जीवन के सही मार्ग को समझने में मदद करते हैं, बल्कि यह उन्हें नैतिकता, धर्म और आदर्शों से भी जोड़ते हैं। शास्त्रों का ज्ञान बच्चों के जीवन में अध्यात्मिक चेतना जागृत करता है और उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। प्रयागराज, जहाँ तीन पवित्र नदियाँ दृ गंगा, यमुना और सरस्वती दृ मिलकर संगम करती हैं, यह स्थान भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। यहां चलने, रहने और संगम में स्नान करने का अपार पुण्य है। संगम में डुबकी लगाना केवल शारीरिक शुद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और ईश्वर की कृपा का आह्वान भी है। यह पवित्र स्थल जीवन के हर पथिक को सत्य, शांति और मोक्ष की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। गुरु, गोविंद और धर्म दृ ये हमारे जीवन के पवित्र स्तंभ हैं। जब हम इनसे झूठ बोलते हैं, तो हम न केवल अपनी आत्मा से दूर होते हैं, बल्कि अपने जीवन की शांति और आशीर्वाद भी खो बैठते हैं। जब हम गुरु, गोविंद और धर्म के प्रति ईमानदार होते हैं, तब हमें उनके आशीर्वाद से जीवन में सच्चे सुख और समृद्धि का अनुभव होता है। पार्थिव शिवलिंग बनाकर विधि–विधान से पूजा करने से दस हजार कल्प यानी करोड़ों साल तक स्वर्ग में रहता है। शिवपुराण में लिखा है कि पार्थिव पूजन सभी दुःखों को दूर करके सभी मनोकामनाएं पूर्ण करता है। हर दिन पार्थिव पूजन किया जाए तो इस लोक और परलोक में भी अखण्ड शिव भक्ति मिलती है।

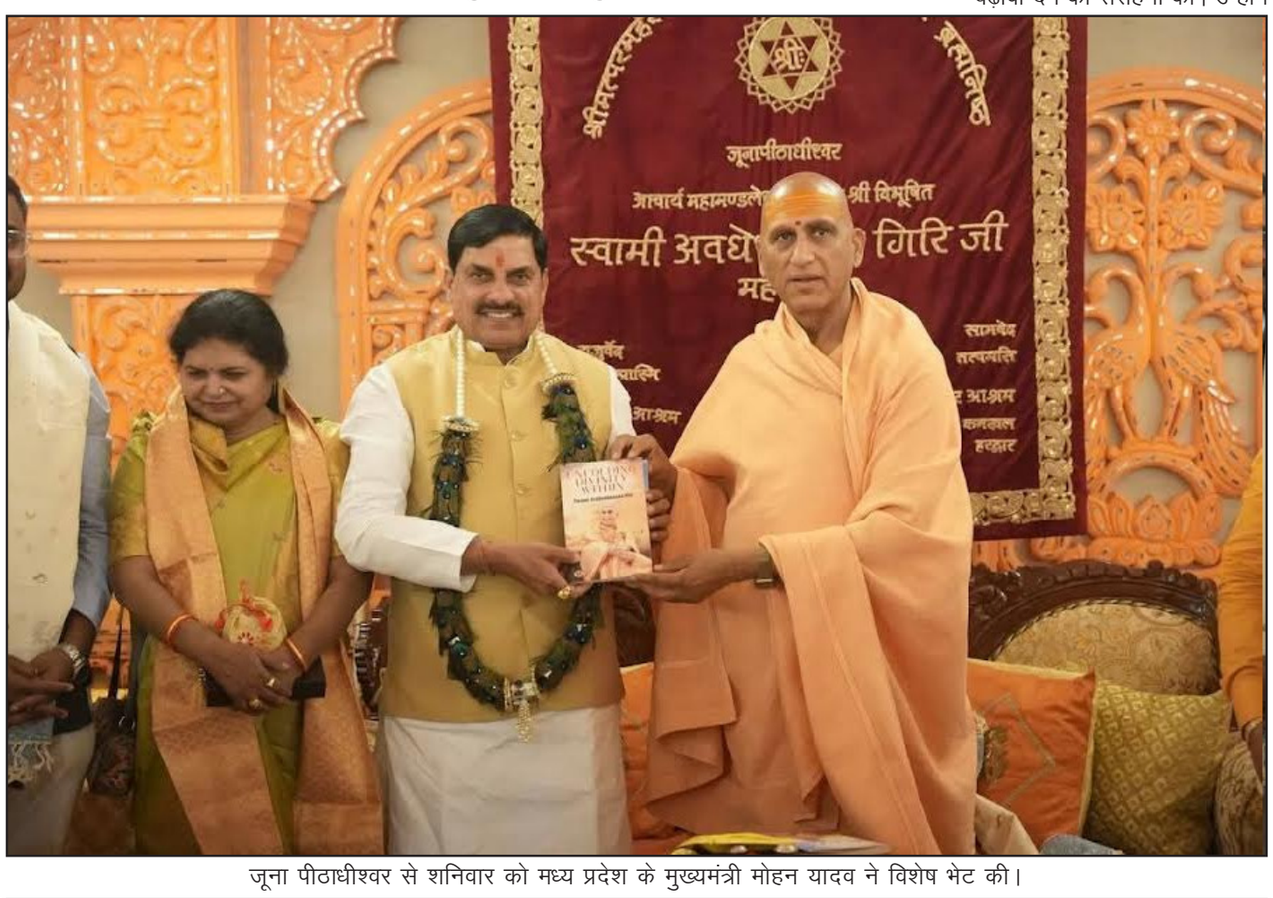

जूना पीठाधीश्वर से शनिवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विशेष भेट की।

स्वच्छता की चौपाल...जादू से किया कमाल

प्रयागराज। नगर निगम की ओर से महाकुंभ में स्नान के लिए आ रहे

श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए शनिवार को धरना स्थल पर जादू कार्यक्रम और स्वच्छता की चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान दूर दराज से आ रहे श्रद्धालु भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने सफाई व्यवस्था को लेकर बातचीत की और अपने–अपने विचार रखे। 'स्वच्छता की चौपाल' में लोगों को महाकुंभ को स्वच्छ–सुंदर और सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु जागरूक किया गया। इसके साथ ही प्म्ब टीम श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के सदस्य लगातार मार्गो पर बने शौचालय रैन बसेरे की व्यवस्था जांच रहे हैं।

राजयोगी ब्रह्माकुमार डॉ. सूर्य भाई ने कहा– अधिकार से लें भगवान की मदद

महाकुंभ नगर। मेला क्षेत्र, सेक्टर–7, 07 फरवरी 2025 रू– ब्रह्माकुमारीज द्वारा मनोरमा दीदी के नेतृत्व में लगाए गए स्वर्णिम भारत 'ज्ञानकुम्भ' मेले में आज माउण्ट आबू से पधारे समाधान विशेषज्ञ वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता 'राजयोगी ब्रह्माकुमार डॉ. सूर्य भाई' ने कहा कि प्रयागराज में नदियों के संगम

का महाकुम्भ है और वर्तमान कलियुग अंत और सतयुग आदि के समय इस पुरुषोत्तम संगमयुग में स्वयं भगवान हमारे हर कार्य में साथी व सहयोगी बनने के लिए सदा तैयार रहते हैं। हम सभी कर्म करते हुए मदद प्राप्त करने के लिए भगवान को अधिकार से बुलाएं। उन्होंने कहा कि इस समय परमात्मा की मदद के बहुत अनुभव हो रहे हैं। भगवान हमारे परमपिता हैं अर्थात् हमारे अपने हैं, अपनों की मदद की जाती है और परमात्मा तो सागर हैं वो सदा तैयार हैं हमें मदद करने के लिए, आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि हम उनसे अपना संबंध जोड़ें और अपने कार्य में सहयोगी बनाकर लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि अपने को खुशी में रखें कि हमने बहुत पुण्य किये हैं, सच्चे दिल की भक्ति की है तब प्रभु मिलन हुआ है। अब वो हमारे हैं और हमारे लिए ही हैं – यह बात अपने चित्त में समा लें। अपने भाग्य का गुणगान करें कि हम प्रभु पालना में पल रहे हैं। जाहिर सी बात है कि किसी मनुष्य की पालना और ईश्वरीय पालना में बहुत अंतर होगी ही। माउण्ट आबू से ही आयीं प्रेरक वक्ता ब्र.कु. गीता दीदी ने ईश्वरीय सेवाधारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हम बहुत भाग्यशाली हैं जो महाकुम्भ में ईश्वरीय सेवाओं के लिए भगवान ने हमें चुना। सेवा हमें शक्ति व सुरक्षा प्रदान करती है व जीवन में सफलता का मार्ग खोलती है। पीस ऑफ माइण्ड चौनल के एंकर ब्र.कु. रूपेश भाई ने कहा कि हमारा चलन, चेहरा व मुस्कुराहट ऐसे हों जो सभी को परमात्म मिलन के लिए प्रेरित करें। ब्र.कु. सूर्य भाई जी ने सभी साधकों को अपने कर कमलों से भोग वितरित किया। इस अवसर पर ब्र.कु. मनोरमा दीदी, लखनऊ की ब्र.कु. राधा दीदी उपस्थित रहे।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े का कुंभ नगरी प्रयागराज आगमन पर भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया।

राष्ट्रीय एकात्मता का जीवंत प्रमाण है प्रयागराज का महाकुंभ (डॉ मोहन यादव मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश)

महाकुम्भ नगर। महापौर गणेश केसरवानी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन लाल यादव को प्रयागराज महाकुंभ मेले के आगमन पर नगर निगम कार्यालय में प्रयागराज त्रिवेणी संगम की स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया इस अवसर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकात्मता का जीवंत प्रमाण है प्रयागराज का महाकुंभ जो राष्ट्र को एकता के सूत्र में जोड़ता है इस अवसर पूज्य महंत कैलाशानंद जी महाराज ने आशीर्वाद दिया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 25/09 दिनांकः 07.02.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	70254362	सॉफ्ट ब्लैंकेट	45,133 नग	27.02.2025
2	6324RC21	दिस इज टेंडर टू इंटर इन्टू रेट कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चरिंग एंड सप्लाई ऑफ हाई विस्कोस नाइलॉन-66 इन्सुलेटिंग लाइनर (एचवीएन लाइनर) 60 केजी टू आरडीएसओ ड्राइंग नं. टी-3706	5597995.00 Number	17-MAR-25
3	64255031	हाइड्रॉलिक मोटर	36 नग	27.03.2025
4	64255034	हाइड्रॉलिक पम्प	94 नग	18.03.2025
5	38252872 (ई-आरए)	पॉली रिंग्स-3 नम्बर्स फॉर कॉन्सटेन्ट कॉन्टेक्ट पॉली यूरेथिन साईड बियरर पैड	78336 नग	04.03.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। **269/25 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 13920242025 दिनांकः 06.02.2025

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक **27.02.2025** को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.	अनुमानित मूल्य (रु.)	बयाने की रकम (रु.)
275	3,04,80,887.14	3,02,400.00

कार्यों का विवरणः कानपुर-सेन्ट्रलः- सहायक मण्डल अभियन्ता/ द्वितीय कानपुर एवं सहायक अभियन्ता/लाइन/कानपुर के तहत 03 पुराने स्टील ओवर हेड टैंक (2 न0 50000 गैलन और 1 न0 100000 गैलन) के स्थान पर 03 नए आर.सी.सी. ओवरहेड टैंक के निर्माण का कार्य।

कार्य समापन की अवधिः 08 माह | **निविदा खुलने की तिथिः 27.02.2025**

इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः किसी भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य में आर.सी.सी. ओवरहेड टैंक का निर्माण।

नोटः 1. आन लाइन निविदा दिनांक **27.02.2025** को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि **27.02.2025** तक उपलब्ध है। **260/25 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं.: पीआरवाईजे-सिग-39-2024-25 दिनांकः 05.02.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये **ई-निविदा** निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **03.03.2025** को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.: पीआरवाईजे-सिग-039-2024-25	**अनुमानित मूल्य (₹):** ₹ 18,21,310.74
कार्य का विवरणः प्रयागराज मण्डल के प्रयागराज छिवकी सूबेदारगंज एवं नैनी स्टेशन पर आइपी टेलीफोन एक्सचेंज (मैसर्स अल्काटेल मेक) का कोडल लाइफ के छह वर्षों के लिए कम्प्रहेन्सिव वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।	
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : ₹ 0/-	**बिड सिक्योरीटी (₹):** ₹ 36,400/-
निविदा बन्द होने की तिथि : 03.03.2025	**कार्य समापन की अवधि :** 72 माह
निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।	
निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **256/25 (MG)**	

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**